Skill Development Programme
For Answer Writing
Current Affairs
Model Answer

DATE : 14-July-2018 **TIME : 03:15 pm**

मुख्य परीक्षा

प्र. केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने भारतीय जेलों में बंद महिला बंदियों पर आधारित रिपोर्ट 'जेल में महिलाएं' जारी किया। इस रिपोर्ट के महत्वपूर्ण पहलुओं का संक्षिप्त विवरण देते हुए यह भी बतायें कि यह सामाजिक न्याय से किस प्रकार संबंधित है? (250 शब्द, 15 अंक)

Ministry of Women and Child Development has released 'Women in Jail' report based on women prisoners in Indian jails. Give a brief description of the important aspects related to this report & explain that how these are related with social justice? (250 Words, 15 Marks)

MODEL ANSWER

उत्तर- भूमिका में निम्न बातों को शामिल किया जा सकता है-

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने महिलाओं के अधिकार तथा सामाजिक न्याय के आधार पर 'राष्ट्रीय आदर्श जेल मैन्युअल 2016' में परिवर्तन का सुझाव दिया है, जिसके माध्यम से उनकी मानसिक, शारीरिक, स्वच्छता, शिशु तथा सामाजिक स्वीकार्यता जैसी समस्याओं का हर संभव समाधान किया जा सकें।

मुख्य विषय वस्तु-

- नवजात तथा छोटे बच्चों से संबंधित महिलाओं को बंदी बनाने से पहले उन्हें बच्चों का उचित प्रबंध की अनुमति दी जानी चाहिए।
- ऐसे विचाराधीन कैदियों को जिन्होंने अधिकतम सजा का एक तिहाई समय जेल में बिताया हो, उनके जमानत की सिफारिश।
- महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए महिला काउंसिलों और मनोचिकित्सकों की सिफारिश तथा शिकायत समाधान का उचित प्रबंध।
- जेल में प्रसव के दौरान महिलाओं की आवश्यकता तथा नवजात शिशु की स्वास्थ्य सुरक्षा हेतु अलग आवास की व्यवस्था होना चाहिए।
- महिला बंदियों की सामाजिक स्वीकार्यता के साथ आर्थिक अधिकार, पारिवारिक स्वीकार्यता हेतु स्थानीय पुलिस की सहायता आदि की सिफारिश किया गया है।

सामाजिक न्याय-

भारतीय समाज में महिला तथा बच्चों को अतिसंवेदनशील वर्ग में शामिल किया जाना ही उनसे संबंधित समस्या की गंभीरता का द्योतक है। इस आधार पर किसी महिला के बंदी बनाए जाने के पश्चात न केवल परिवार बल्कि बच्चे तथा उनसे संबंधित शिक्षा, स्वास्थ्य के साथ उनका भविष्य भी नकारात्मक रूप से प्रभावित होता है और चूंकि किसी महिला को बंदी बनाए जाने के पश्चात परिवार तथा समाज का उसके प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण, महिलाओं के पुनर्वास तथा सामाजिक स्वीकार्यता के मार्ग में बड़ी बाधा है। ऐसे में इस रिपोर्ट के द्वारा न केवल महिलाओं का सामाजिक, आर्थिक, मानसिक हित सुनिश्चित किया जा सकता है, बल्कि उनकी अगली पीढ़ी का भी भविष्य सुरक्षित और सुनिश्चित किया जा सकता है, जिससे महिलाओं और उनपर आश्रित बच्चों का संविधान की प्रस्तावना में उल्लेखित सामाजिक, आर्थिक न्याय प्रदान कर उन्हें मुख्य धारा में शामिल किया जा सकेगा।

अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।

* * *